ई-न्यूज

24 न्यूज अपडेट

WebSite.: https://24newsupdate.in

उदयपुर, शुक्रवार 18 अक्टूबर 2024

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

वर्ष 1 अंक 224

सद्गुरू है तो मुमकिन है: सद्गुरु के फाउंडेशन के खिलाफ बंधक बनाने का केस बंद, सुप्रीम कोर्ट ने कहा- लड़कियां बालिग, मर्जी से आश्रम में गईं, हाईकोर्ट ने कहा था- सद्गुरू अपनी बेटी की शादी करते हैं, दूसरों की बेटियों को सन्नयासी बनाते हैं



24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट. नई दिल्ली। त्वरित न्याय मिले तो ऐसा मिले जो सद्गुरू के फाउंडेशन को मिला है। मामला हाईकोर्ट से सीधा सुप्रीम कोर्ट में पहुंच गया और कुछ ही दिनों में फैसला भी हो गया। केस सुप्रीम कोर्ट ने बंद करते हुए कहा कि फाउंडेशन सही है। लड़कियां अपनी मर्जी से आश्रम में रह रही हैं। डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच ने शुक्रवार को कहा कि मद्रास हाईकोर्ट का ऐसी याचिका पर जांच के आदेश देना सही नहीं था। आश्रम में पुलिस का छापा गलत था। लिहाजा ने दो लड़कियों को बंधक बनाने के मामले में सद्गुरु जग्गी वासुदेव के ईशा फाउंडेशन के खिलाफ केस बंद कर दिया गया। सवाल उठता है कि क्या इस तरह का न्याय सबको मिलता है। यदि हां तो अब तक सुप्रीम कोर्ट में लाखों केस पेंडिंग नहीं होते। यदि ऐसा होने लगा है तो सलाम है सुप्रीम कोर्ट को और अगर नहीं हो रहा है तो सोचने की बात है कि सब मामलों में क्या ऐसे ही तेजी दिखाई जाएगी। बहरहाल, कोर्ट ने कहा कि लड़कियों के पिता की याचिका गलत है, क्योंकि दोनों लड़कियां बालिग हैं, जब वे आश्रम में गई तो उनकी उम्र 27 और 24 साल थी। वो अपनी मर्जी से आश्रम में रह रही हैं। कोर्ट ने यह भी कहा कि इस फैसले का असर सिर्फ इसी केस तक सीमित रहेगा। ईशा फाउंडेशन के खिलाफ रिटायर्ड प्रोफेसर एस कामराज ने मद्रास हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी। उनका आरोप था कि आश्रम में उनकी बेटियों लता और गीता को बंधक बनाकर रखा गया है। 30 सितंबर को हाईकोर्ट ने मामले के खिलाफ जांच करने और ईशा फाउंडेशन से जुड़े सभी क्रिमिनल केसों की डिटेल पेश करने का आदेश दिया था। अगले दिन 1 अक्टूबर को करीब 150 पुलिसकर्मी फाउंडेशन के हेडक्वार्टर पहुंचे थे। सद्गुरु ने हाईकोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने 3 अक्टूबर को मद्रास हाईकोर्ट के फाउंडेशन के खिलाफ पुलिस जांच के आदेश पर रोक लगा दी और आज 18 अक्टूबर को फैसला आ गया। पिछली सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु पुलिस से पुलिस जांच की स्टेटस रिपोर्ट पेश करने के लिए कहा था। आज तमिलनाडु पुलिस ने रिपोर्ट पेश की। सुप्रीम कोर्ट में ईशा फाउंडेशन की तरफ से मुकुल रोहतगी ने दलीलें पेश की। वहीं, तमिलनाडु सरकार का पक्ष सीनियर वकील सिद्धार्थ लूथरा ने रखीं। केंद्र सरकार की तरफ से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दलीलें दीं।

मुकुल रोहतगी: तमिलनाडु पुलिस की स्टेटस रिपोर्ट में लिखा है कि दोनों महिलाओं ने खुद की इच्छा से वहां रहने का फैसला किया है। दोनों महिलाओं ने भी कोर्ट को यही बताया है। ऐसे में केस को बंद कर देना चाहिए। सिद्धार्थ लूथरा ने कहा किकेस बंद करने के फैसले से पुलिस के जांच करने के अधिकार पर कोई फर्क नहीं पड़ना चाहिए। मुकुल रोहतगी इस पर बोले कि जैसा सिद्धार्थ लथूरा कह रहे हैं, अगर कोर्ट ने वैसा कमेंट किया तो ईषा फाउंडेशन जैसी संस्था को निशाना बनाने वाले लोग इस कमेंट का दुरुपयोग करेंगे। तुषार मेहता ने कहा कि रोहतगी की दलील का समर्थन करता हूं। जो दर्शाया गया है, वह वास्तविकता से अलग है। सिद्धार्थ लथूरा जैसा कह रहे हैं, अगर कोर्ट वैसी कोई टिप्पणी करेगा, तो क्लिकबेट चलाने वाले मीडिया हाउस में गलत हेडलाइन छपेगी। सिद्धार्थ लूथरा भी बोले कि पुलिस छापे में पता चला है कि फाउंडेशन में कई नियमों का पालन नहीं किया गया। इंटरनल कमप्लेंट कमेटी का भी गठन नहीं किया गया है। एक्स-रे मशीन का लाइसेंस भी खत्म हो चुका है। सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि यह स्पष्ट हो कि इस केस के बंद होने से फाउंडेशन के किसी अन्य मामले पर कोई असर नहीं हो। कामराज ने कहा कि हमने याचिका तब लगाई थी, जब बेटियों ने कहा था कि वो आमरण अनशन करने जा रही हैं। इस पर सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि माता-पिता को ऐसी याचिकाएं फाइल करने की बजाय अपने एडल्ट बच्चों का दिल जीतना चाहिए। गुस्सा कितना ही ज्यादा क्यों न हो, बेटियां एडल्ट हैं। हम उन पर अपने फैसले नहीं थोप सकते। आपको बता दें कि तमिलनाडु एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी के रिटायर्ड प्रोफेसर एस कामराज ने कहा था कि आश्रम ने उनकी बेटियों को बंधक बना लिया है। उन्हें तुरंत मुक्त कराया जाए। कामराज ने अपनी याचिका में कहा था कि ईशा फाउंडेशन ने बेटियों का ब्रेनवॉश किया, जिसके कारण वे संन्यासी बन गईं। बेटियों को कुछ खाना और दवा दी जा रही है। इससे उनकी सोचने-समझने की शक्ति खत्म हो गई है। जब से बेटियों ने हमें छोड़ा है, हमारा जीवन नर्क बन गया है। कामराज की बड़ी बेटी गीता ने इंग्लैंड की एक यूनिवर्सिटी से एम टेक किया है। उसे 2004 में उसी यूनिवर्सिटी में करीब 1 लाख रुपए के वेतन पर नौकरी मिली थी। उसने 2008 में अपने तलाक के बाद ईशा फाउंडेशन में योग क्लासेज में भाग लेना शुरू किया था। इसके बाद गीता की छोटी बहन लता भी उसके साथ ईशा फाउंडेशन में रहने लगी। दोनों बहनों ने अपना नाम बदल लिया और अब माता-पिता से मिलने से भी इनकार कर रही हैं। मद्रास हाईकोर्ट ने 30 अक्टूबर को सद्गुरु से पूछा था, "जब आपने अपनी बेटी की शादी कर दी है, तो दूसरों की बेटियों को सिर मुंडवाने और सांसारिक जीवन त्यागकर संन्यासियों की तरह रहने के लिए क्यों प्रोत्साहित कर रहे हैं। मामले की सुनवाई जस्टिस एसएम सुब्रमण्यम और जस्टिस वी शिवगणनम की बेंच ने की थी। जस्टिस सुब्रमण्यम ने ईशा फाउंडेशन से कहा था कि आप नहीं समझेंगे क्योंकि आप एक खास पार्टी के लिए पेश हो रहे हैं। यह अदालत न तो किसी के पक्ष में है और न ही किसी के खिलाफ है। हम केवल याचिकाकर्ता के साथ न्याय करना चाहते हैं।

मनी लॉन्ड्रिंग केस में सत्येंद्र जैन को जमानत:दिल्ली कोर्ट ने कहा- ट्रायल जल्द खत्म होने के आसार नहीं; मई 2022 में गिरफ्तार हुए थे



24 न्यूज अपडेट

आम आदमी पार्टी (AAP) के नेता और दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन को शुक्रवार को दिल्ली की अदालत ने जमानत दे दी है। राउज एवेन्यू कोर्ट ने जमानत देते हुए कहा- अभी ट्रायल के जल्द खत्म होने के आसार नहीं हैं। कोर्ट ने सत्येंद्र को 50 हजार रुपए का निजी मुचलका भरने का भी आदेश दिया।

ED ने 24 अगस्त 2017 को CBI की तरफ से दर्ज की गई FIR को आधार बनाकर जैन के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जांच शुरू की थी। ED ने आरोप लगाया था कि सत्येंद्र ने उनसे जुड़ी 4 कंपनियों के जरिए मनी लॉन्ड्रिंग की।

ED का आरोप था कि जैन ने इन फर्जी कंपनियों के जरिए आए पैसे का इस्तेमाल 14 फरवरी 2015 से 31 मई 2017 के बीच कई लोगों के नाम पर चल संपत्तियां खरीदने में किया। इसके अलावा दिल्ली और उसके आसपास कृषि भूमि की खरीद के लिए लोन अदायगी में किया था।

जांच एजेंसी ने आरोप लगाया था कि मामले में सत्येंद्र से पूछताछ की गई थी। जिसमें वे संतोषजनक हिसाब नहीं दे सके थे। सत्येंद्र के अलावा पूनम जैन, अजित प्रसाद जैन, सनील कुमार जैन, वैभव जैन और अंकुश जैन के खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया था। इसके बाद सत्येंद्र को 30 मई 2022 को गिरफ्तार किया गया था। तब से वे तिहाड़ जेल में थे।

MUDA के ऑफिस में ED की छापेमारी:कमिश्नर और स्पेशल लैंड एक्यूजीशन ऑफिस की तलाशी; मंत्री बोले- छापेमारी नहीं, दस्तावेज मांगने आई थी



24 न्यूज अपडेट

ED के 12 अधिकारियों की एक टीम ने शुक्रवार को कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग मामले में मैसुरु अर्बन डेवलपमेंट अथॉरिटी (MUDA) के ऑफिस में छापेमारी की। ED ने MUDA कमिश्नर रघुनंदन और स्पेशल लैंड एक्यूजीशन के ऑफिस की भी तलाशी ली।

बताया जा रहा है कि कि एजेंसी कुछ दस्तावेज जब्त किए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार एजेंसी घोटाले में शामिल सभी अधिकारियों की जांच करेगी।यह छापेमारी MUDA के चेयरमैन के मारी गौड़ा के इस्तीफे के बाद हुई है।

ED सेंट्रल पैरामिलिट्री फोर्स के साथ आई थी। टीम ने मैसुरु में कई अन्य जगहों पर भी छापेमारी की है। हालांकि, वे जगहें सीधे तौर पर मुख्यमंत्री या उनके परिवार से जुड़ी नहीं है।

मंत्री बोले- ये छापेमारी नहीं, ED दस्तावेज मांगने आई थी

छापेमारी पर कर्नाटक के शहरी विकास मंत्री बी सुरेश ने कहा- यह छापेमारी नहीं है। वे दस्तावेज मांगने आए थे। आप दस्तावेज मांगने को छापेमारी कैसे कह सकते हैं? बता दें, कि MUDA इनके मंत्रालय के तहत ही आता है।

सुरेश ने आगे कहा- जिन भी दस्तावेजों की मांग की जाएगी, वे उपलब्ध कराए जाएंगे। देसाई कमेटी को 8 लाख पेज के रिकॉर्ड दिए गए थे। मांगने पर वह भी दिए जाएंगे। लेकिन ये एक दिन में नहीं हो पाएगा, क्योंकि 8 लाख पेज की फोटोकॉपी में एक सप्ताह लग सकता है।

ECIR (इंफोर्समेंट केस इंफॉर्मेशन रिपोर्ट) दर्ज होने के बाद ED को छापेमारी का अधिकार है। वे जो भी दस्तावेज मांगेंगे, MUDA देगा। इसमें हमारे शामिल होने का सवाल ही नहीं है, अधिकारी दस्तावेज मुहैया कराएंगे। ED, पुलिस और अदालतें अपने अधिकार क्षेत्र की सीमाएं जानती हैं, ED को जांच करने दें।

बाबा सिद्दीकी मर्डर केस में आज 5 आरोपी गिरफ्तार, मुंबई क्राइम ब्रांच ने पनवेल इलाके से दबोचा



24 न्यूज अपडेट

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता और पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी हत्या मामले में मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच सेल ने पांच आरोपियों को पनवेल इलाके से गिरफ्तार किया है। इन पर हत्या की साजिश में शामिल होने का आरोप है। इससे पहले चार गिरफ्तारियां हो चुकी हैं यानी अब तक कुल नौ आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इससे पहले 15 अक्टूबर को आरोपी हरीश बालकराम यूपी के बहराइच से पकड़ा गया था।

बाबा सिद्दीकी की 12 अक्टूबर की रात करीब 9.15 बजे गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। वे बेटे जीशान के बांद्रा में बने दफ्तर में थे। बाहर निकलते ही उन पर 6 गोलियां चलाई गईं थीं। मर्डर की जिम्मेदारी लॉरेंस बिश्नोई की गैंग ने ली है।

जम्मू-कश्मीर में पुलिस और सुरक्षाबलों ने जॉइंट ऑपरेशन में आतंकवादी से जुड़े एक व्यक्ति को पकड़ा। पुंछ के सुरनकोट सेक्टर के दुंदक इलाके से आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। उसके पास से 4 ग्रेनेड बरामद हुए। पुलिस-सुरक्षाबलों को उम्मीद है कि युवक के गिरफ्तार होनों से पुंछ शहर और सुरनकोट में पिछले दिनों हुए 2-3 ग्रेनेड हमलों की गुत्थी सुलझने की उम्मीद है।

जियो फाइनेंस को दूसरी तिमाही में 689 करोड़ का मुनाफा:सालाना आधार पर 3% बढ़ा, इंटरेस्ट इनकम 205 करोड़ रही; एक साल में 52% चढ़ा शेयर



24 न्यूज अपडेट

रिलायंस इंडस्ट्रीज की नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनी (NBFC) जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड को वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही में 689 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ है। सालाना आधार पर इसमें 3.13% की बढ़ोतरी हुई है। एक साल पहले की समान तिमाही में कंपनी को 668.18 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ था।

नेट इंटरेस्ट इनकम 205 करोड़ और रेवेन्यू 693.50 करोड़ रुपए रहा

जुलाई-सितंबर तिमाही में जियो फाइनेंस का नेट इंटरेस्ट इनकम (NII) 204.98 करोड़ रुपए रही। एक साल पहले की समान तिमाही में यह 186.06 करोड़ रुपए थी। सालाना आधार पर इसमें 10.16% की बढ़ोतरी है।

वहीं टोटल रेवेन्यू 693.50 करोड़ रुपए रहा। सालाना आधार पर इसमें 14.05% की बढ़ोतरी हुई है। वित्त वर्ष 2023-24 के जुलाई-सितंबर तिमाही में NBFC ने 608.04 करोड़ रुपए का रेवेन्यू जनरेट किया था।

1999 में बनी थी जियो फाइनेंशियल सर्विसेज

जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड को 22 जुलाई 1999 को रिलायंस स्ट्रैटेजिक इन्वेस्टमेंट प्राइवेट लिमिटेड के रूप में शामिल किया गया था। इसके बाद, कंपनी का नाम बदलकर रिलायंस स्ट्रैटेजिक इन्वेस्टमेंट लिमिटेड कर दिया गया। 25 जुलाई 2023 को इनकॉर्पोरेशन का एक नया सर्टिफिकेट इश्यू कर कंपनी का नाम बदलकर 'जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड' कर दिया गया

संपादकीय : लोकतंत्र की बयार

देश के किसी भी राज्य में चुनी हुई सरकार का गठन एक आम लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा है, लेकिन जम्मू-कश्मीर में बुधवार को नई सरकार के मुख्यमंत्री के रूप में उमर फारूक का शपथ लेना खास अहमियत रखता है। जम्मू-कश्मीर में लंबे समय से आतंकवाद और राजनीतिक अस्थिरता का दौर हावी रहा है और बीते कई वर्षों से विधानसभा चुनाव नहीं होने को एक तरह से लोकतंत्र की सहजता में बाधक माना जा रहा था। खासतौर पर वहां अनुच्छेद 370 हटने के बाद राजनीतिक रूप से कई स्तर पर खड़ी होने वाली बाधाओं और आशंकाओं के मद्देनजर चुनाव कराना एक मुश्किल चुनौती थी। इसके बाद वहां जिस तरह नैशनल कांफ्रेंस और उसके सहयोगी दलों को कामयार्थी मिली, उससे जम्मू-कश्मीर की जनता के रुख का पता चलता है। इसलिए वहां अब अगर नैशनल कांफ्रेंस के नेता उमर फारूक ने बतौर मुख्यमंत्री शपथ ली है, तो उनके सामने मुख्य चुनौती यही होगी उनके नेतृत्व वाली सरकार वहां की जनता की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए कितना और क्या कर पाती है। गौरतलब है कि जम्मू-कश्मीर में इस बार विधानसभा चुनावों के दौरान देश की लोकतांत्रिक प्रक्रिया के अमूमन सभी सकारात्मक पहलुओं की मौजूदगी रही। उम्मीद के मुकाबले बहुत ज्यादा लोगों ने घरों से निकल कर वोट डाला और एक तरह से उन्होंने यह साफ कर दिया कि जम्मू- कश्मीर के बारे में भले ही कुछ मामलों को आधार बना कर नकारात्मक धारणाओं का प्रचार किया जाता हो, लेकिन वहां के आम लोग दरअसल देश की लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भागीदारी करते हुए सहज रहते है और उत्साह से इसमें हिस्सा लेते हैं। करीब दस वर्ष बाद हुए चुनावों में भारी पैमाने पर लोगों ने बढ़-चढ़ कर मतदान किया और इसका ऊंचा स्तर जम्मू-कश्मीर में राजनीतिक लिहाज से काफी बेहतर और संतोषजनक रहा। सच यह है कि वहां के साधारण लोगों ने इस बार अलगाववादी तत्त्वों की ओर से खड़ी चुनौतियों और तमाम जोखिम के बीच देश के लोकतंत्र को चुना और उसी मुताबिक उन्होंने अपने और जम्मू-कश्मीर के भविष्य को एक नई राह दी है। इसके बाद वहां बह रही नई बयार में लोगों की यह स्वाभाविक अपेक्षा होगी कि सरकार अपने उन वादों को लेकर गंभीरता और इच्छाशक्ति का प्रदर्शन करे, जिसके आधार पर वह चुन कर सत्ता में आई है। हालांकि जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 खत्म होने और उसके केंद्रशासित प्रदेश होने की वजह से नई विधानसभा और मुख्यमंत्री के पास देश के अन्य राज्यों की तरह शक्तियां नहीं हैं, इसलिए उपराज्यपाल के साथ अधिकार संबंधी विवाद या टकराव की आशंका खड़ी हो सकती है। इस लिहाज से देखें तो स्वाभाविक ही जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा दिलाने का सवाल कई राजनीतिक दलों के लिए प्राथमिकता सूची में शायद सबसे ऊपर होगा। वहां कई राजनीतिक दल और उनके नेता राज्य का दर्जा दिलाने के मसले पर स्पष्ट देखे गए हैं। अब वहां एक चुनी हुई सरकार काम करेगी और इस बात की संभावना है कि आने वाले समय में जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा दिलाने के प्रयास रफ्तार पकड़े। इसके अलावा, हाल के वर्षों में वहां आतंकवादी घटनाओं में जिस तरह की तेजी आई है, सुरक्षा बलों, प्रवासी मजदूरों के साथ- साथ स्थानीय लोगों के खिलाफ भी लक्षित आतंकी हमलों में इजाफा हुआ है, उस पर काबू पाने को लेकर केंद्रशासित प्रदेश में परिभाषित अधिकारों की स्थिति में नई सरकार किस रणनीति पर काम करती है, यह देखने की बात होगी ।

शराब का कहर

इससे बड़ी विडंबना क्या होगी कि बिहार में कानूनी रूप से शराबबंदी है, फिर भी लोग शराब पीकर मर रहे हैं। राज्य में एक बार फिर में जहरीली शराब पीने से कई लोगों की मौत से यह सवाल उठ रहा है कि आमजनों तक शराब पहुंचती कैसे हैं और जो लोग चोरी-छिपे शराब का कारोबार करते हैं, उन पर आबकारी विभाग शिकंजा क्यों नहीं कसता । अप्रैल 2016 में राज्य में शराब निर्माण, परिवहन, बिक्री और खपत पर पूरी तरह रोक लगा दी गई थी। शराब बेचने और पकड़े जाने पर सजा का भी प्रावधान रखा गया । फिर भी शराब माफिया बेखौफ हैं तो जाहिर है कि शराब की शक्ल में जहर बेचने से उनको कोई नहीं रोक रहा । अरसे से शराबबंदी के बावजूद घरों तक या हाट-बाजार में शराब पहुंच रही है, तो इसके लिए कौन जिम्मेदार है? गौरतलब है कि सीवान और सारण जिले के कई गांवों में शराब पीने से छब्बीस से अधिक लोगों की मौत के बाद मातम पसरा है। कई लोगों का अस्पतालों में उपचार चल रहा है। कुछ की आंखों की रोशनी चली गई और चालीस से ज्यादा लोगों की हालत गंभीर है। सवाल है कि कुछ गिरफ्तारियों का दावा कर क्या पुलिस और जिला प्रशासन अपने दायित्व से मुक्त हो सकता है ? जहरीली शराब से मौत का तांडव दो दिन पहले शुरू हुआ जब हाट से लोगों ने शराब खरीद कर पी। फिर मंगलवार से बुधवार रात तक लोगों के मरने का सिलसिला जारी रहा। बताया गया कि पीड़ितों ने मेले में बिक रही थैली वाली शराब पी। इतनी बड़ी घटना को रोका जा सकता था, अगर पुलिस-प्रशासन शराबबंदी को लेकर पहले से सजग रहता। हालांकि सब कुछ घट जाने के बाद उच्चस्तरीय जांच की बात कही गई है, लेकिन हाट में शराब की थैलियां कैसे बिक रही थीं, इस सवाल का जवाब कौन देगा ? राज्य में शराब से लोगों की मौत की यह कोई पहली घटना नहीं है। आए दिन राज्य में शराब पीने से मौत और इसके अलावा भी कुछ नकारात्मक वजहों से बिहार सुर्खियों में रहता है। हर बार सरकार की ओर से सख्त कार्रवाई करने का रटा-रटाया आश्वासन सामने आता है। इस पर सरकार कितनी गंभीर होती है, इसका अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि कुछ समय बाद फिर शराब पीकर लोगों की मौत की खबर सामने आ जाती है।

तेंदूआ ढेर मगर सवाल बरकरार-क्या यही आदमखोर है, फोटो सेशन में जुटे अफसर, क्रेडिट लेने की होड़, हैदराबाद भेजी रिपोर्ट







24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। आठ फीट का लेपर्ड, पुलिस की चार गोलियों से मारा गया। आदमखोर था या नहीं इसकी पुष्टि अब हैदराबाद की लैब करेगी। तब तक खौफ कायम रहेगा। पुलिस और वन विभाग का दावा है कि ये वहीं आदमखोर है। अब फोटो सेशन करवाने वालों पर भी उंगलियां उठ रही है। कह रहे हैं कि क्या यह राजे रजवाडों का जमाना है कि तब पेंथर को मारकर उसकी खाल के साथ बडी शान से फोटो खिचवाए जाते थे। जो जो फोटो में दिख रहे हैं उन पर सख्त कार्रवाई भी होनी चाहिए। पेंथर को मारना बहादुरी का काम नहीं है बल्कि यह इंसानी जरूरत को पूरा करना भर है। विशेषज्ञ कह रहे हैं कि वन्यजीव का इलाका छीन लिया, उसके जंगल छीन लिए, पहाडों पर कब्जा कर लिया। उसके लिए भोजन नहीं छोड़ा तो ऐसे में वह क्या करेगा, कहां जाएगा। इंसान का शिकार उसका अंतिम हथियार है। आगे से ऐसा नहीं हो इसके ठोस प्रयास होने चाहिए। वन विभाग के डीएफओ अजय चित्तौड़ा ने बताया कि यह वो ही आदमखोर लेपर्ड है, अभी इस बारे में कुछ नहीं कहा जा सकता है। जांच के बाद ही इसकी पुष्टि हो सकती है। उदयपुर रेंज आईजी राजेश मीणा ने बताया कि जंगल में सर्च के दौरान पुलिस टीम पर लेपर्ड ने हमला किया था। इस दौरान उसे 4 गोली मारकर ढेर किया गया। इसी इलाके में दो दिन पहले 2 महिलाओं पर लेपर्ड अटैक हुआ था। इसमें एक की मौत हो गई थी। आईजी राजेश मीणा ने बताया कि 2 माह से हमारे पास रिपोर्ट थी कि यहां लेपर्ड घूम रहा है। बुधवार को भी इसी इलाके में लेपर्ड ने महिला को मार डाला था। हमारा प्रयास इसे घेरबंदी करके पकड़ने का था। पुलिस और फॉरेस्ट की टीम यहां लगाई गई थीं। कल शाम को भी लेपर्ड नजर आया था इस पर फायर भी किया था, लेकिन वह झाड़ियों में गायब हो गया था। आज सुबह साढ़े 7 बजे घेरा बनाकर आगे बढ़ रहे थे। इसी दौरान लेपर्ड ने एक पुलिसकर्मी पर छलांग लगाने की कोशिश की तो जवान ने उस पर फायर कर दिया। पहली गोली लेपर्ड के गर्दन में लगी। उसे 4 गोलियां मारी गईं। लेपर्ड के आदमखोर होने की जानकारी अभी स्पष्ट नहीं है।

5 दिन में 3 बार अटैक किया

मदार गांव में बीते करीब 5 दिन में लेपर्ड के तीन अटैक हुए हैं। बुधवार को खेत में काम कर रही 2 महिलाओं पर हमला किया था। दोनों घायल हो गई थीं। इनमें से लेपर्ड ने एक महिला मांगीबाई के गले पर अटैक किया था। इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया था। इससे एक दिन पहले मंगलवार रात को पालड़ी गांव में लेपर्ड ने गाय के बछड़े का शिकार कर उसे मार डाला था। वहीं, तीन दिन पहले रविवार को बड़ी गांव में भी लेपर्ड ने गाय के बछड़े का शिकार किया था। शहर के आसपास लगातार लेपर्ड के लगातार बढ़ते मूवमेंट से ग्रामीणों में दहशत का माहौल बना हुआ था। वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि लेपर्ड की शव की जांच के बाद ही इसके आदमखोर होने या नहीं होने की पुष्टि हो सकती है। लेपर्ड की बॉडी को जंगल से बाहर निकालने के लिए टीम को काफी मशक्कत करनी पड़ी। हालांकि, सभी मेंबर्स इस टास्क के पूरा होने से खुश थे। लेपर्ड को गोली मारने के बाद भी स्थानीय लोगों में नाराजगी है। ग्रामीणों का कहना है कि विभाग पूरी जानकारी शेयर नहीं कर रहा है। ये वही लेपर्ड था या नहीं इसको लेकर भी आशंका है। इसलिए वे हथियार लेकर घूम रहे हैं। लेपर्ड को गोली मारने के बाद भी स्थानीय लोगों में नाराजगी है। ग्रामीणों का कहना है कि विभाग पूरी जानकारी शेयर नहीं कर रहा है। ये वही लेपर्ड था या नहीं इसको लेकर भी आशंका है। इसलिए वे हथियार लेकर घूम रहे हैं।

दहशत में बस स्टैंड और दुकानें बंद

गांव वालों ने कहा कि सबसे पहले तो यह देखने की जरूरत है कि ये आदमखोर है या नहीं। वन विभाग उनको बताए अगर ये आदमखोर नहीं है तो यहां पर सुरक्षा बढ़ाई जाए और यहां पर पिंजरे लगाए जाएं। मदार पंचायत के वार्ड पंच मनीष चौबीसा ने बताया कि आस-पास लेपर्ड की बढ़ती संख्या के बाद गांव वालों में दशहत है। मदार का बस स्टैंड और कुछ दुकानें बंद है। मदार, बांदरवाड़ा, राठौड़ों का गुड़ा, कायलों का गुड़ा, गोडान कला गांव के लोगों ने गुरुवार रात को मीटिंग की थी। इसमें तय किया था कि लेपर्ड पकड़ में नहीं आ पा रहा है, तो अब गांव वाले हथियारों के साथ पूरे जंगल को घेरेंगे। अपने स्तर पर लेपर्ड को पकड़ने के लिए घेरा डालेंगे। इसके लिए शुक्रवार सुबह से ही ग्रामीण जुटने लगे थे, इस बीच टीम की तरफ से लेपर्ड को शूट कर दिया गया।

स्कूल बस सड़क किनारे गड्ढे में उतरी:बाइक सवार को बचाने के चक्कर में अनियंत्रित हुई बस, बड़ा हादसा टला



24 न्यूज अपडेट

बांसवाड़ा. घाटोल के उदाजी का गढ़ा गांव में स्थित सरस्वती सीनियर सेकंडरी स्कूल की बस नेशनल हाईवे पर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे उतर गई। झाड़ियों और छोटे छोटे पेड़ के कारण बस पलटने से बच गई और बड़ा हादसा टल गया। जिस समय हादसा हुआ तब बस में 40 के करीब बच्चे सवार थे।

इनकारी के अनुसार यह बस पीपलखूंट कस्बे से बच्चों को लेकर स्कूल की तरफ आ रही थी, जब बस हिलेज घाटी पहुंची तब सामने से एक बाइक सवार नवाखेड़ा निवासी लापसी पुत्र हुरजी रॉन्ग साइड में तेज स्पीड में आ रहा था। इसी को बचाने के चक्कर में बस चालक का थोड़ा संतुलन बिगड़ा और बस सड़क के किनारे उतर गई। जहां 5 से 8 फीट गड्ढा था, लेकिन झाड़ियों के कारण बस पलटने से बच गई। बस में सवार सभी बच्चे और चालक बाहर आए। बाइक चालक की बस से टक्कर होने के कारण वो गंभीर घायल हुआ। जिसे घाटोल सीएचसी ले जाया गया, वहां से बांसवाड़ा एमजी अस्पताल रेफर कर दिया गया। सभी बच्चे सुरक्षित हैं।घटना की सूचना पर खमेरा थाना अधिकारी जीवतराम मीणा और घाटोल बीडीओ धनपत सिंह राव मौके पर पहुंचे। उन्होंने दूसरे वाहन का प्रबंध कर सभी बच्चों को स्कूल पहुंचाया। घाटोल क्षेत्र में स्कूल की बसों को लेकर हादसे नए नहीं हैं। पहले भी दूसरी अन्य स्कूल कॉलेज की बसों का एक्सीडेंट हुआ है। लोगों का कहना है कि हाईवे पर बिना वजह के कई मोड और घाटी हैं जहां विभाग ने कोई संकेतक नहीं लगा रखे हैं। वहीं ग्रामीण सड़कें खस्ताहाल और संकरी होने के कारण कई न कई हादसे होते रहते हैं। अगर नेशनल हाइवे का बायपास निकलता है तो काफी राहत मिल सकती है।

उदयपुर से गुजरात तस्करी कर रहे थे, कार जब्त, 2 तस्कर गिरफ्तार



24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट. डूंगरपुर। डूंगरपुर की धंबोला थाना पुलिस ने आज धंबोला पावर हाउस तिराहे पर नाकेबंदी के दौरान अवैध शराब से भरी एक कार को जब्त किया है। जब्त शराब की कीमत पुलिस क ओर से करीब 2 लाख बताई जा रही है। इसके साथ ही 2 तस्करों को गिरफ्तार किया है। तस्कर शराब को उदयपुर से गुजरात तस्करी कर रहे थे। थानाधिकारी मोहम्मद रिजवान खान ने बताया कि विधानसभा उपचुनाव को लेकर पुलिस की ओर से विशेष निगरानी रखी जा रही है। इस दौरान मुखबिर के जरिए शराब तस्करी की सूचना मिली थी। जिस पर धंबोला पावर हाउस तिराहे के पास नाकेबंदी की गई। सफेद कार को रोककर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान कार में शराब के कार्टन भरे हुए थे। वहीं, कार सवार दो लोगों के पास शराब परिवहन को लेकर कोई दस्तावेज नहीं होने पर पुलिस ने शराब और कार को जब्त किया। कार से 38 कार्टन बरामद किए, जिनकी कीमत करीब 2 लाख रुपए बताई जा रही है। पुलिस ने उदयपुर निवासी तस्कर महेंद्र खराड़ी और नरेंद्र खराड़ी को आबकारी अधिनियम में मामला दर्ज करते हुए गिरफ्तार किया है। तस्करों ने शराब को उदयपुर से भरकर गुजरात तस्करी करना बताया है। फिलहाल पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

80 रूपए किलो टमाटर, 1800 किलो टमाटर से भरा ट्रक पलटा, लूट बचाने रात भर जागी पुलिस



24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, यूपी ब्यूरो। उत्तर प्रदेश के झांसी में कल रात को हाईवे पर तेज रफ्तार ट्रक पलट गया। इस ट्रक में 1800 किलो से अधिक टमाटर कैरेट में रखे हुए थे। इस ट्रक के पलटते ही पूरे हाईवे व उसके किनारों पर टमाटर ही टामाटर फैल गए। कैरेट गिरकर बाहर आकर बिखर गए। इसके बाद मौके पर अचानक लोग जुटना शुरू हो गए व संभावित लूट को बचाने के लिए पुलिस ने मोर्चा संभाला क्योंकि इन दिनों बाजार में 80 से 120 रुपए किलो है टमाटर का भाव। इतने महंगे टमाटरों की सुरक्षा में पुलिस को रत जगा तक करना पड़ा। पुलिस ने पूरी रात ट्रक की घेराबंदी की। हालांकि पुलिस का कहना है कि उसने केवल यातायात दुरूस्त करने व संभावित दुर्घटना को टालने के लिए ऐसा किया। घटना झांसी-ग्वालियर हाईवे के सीपरी बाजार की है। पुलिस ने बताया कि हादसे में स्कूटी सवार महिला घायल हो गई जिसे भर्ती करवाया गया है। स्कूटी आगे से पूरी तरह से टूट गई। बेंगलुरु से चले ट्रक में करीब 1800 किलो टमाटर था। रात लगभग 12 बजे झांसी-ग्वालियर हाईवे पर सीपरी बाजार थाना क्षेत्र में ट्रक बेकाबू होकर पलट गया। ट्रक के पीछे ही चल रही स्कूटी सवार महिला घायल हो गई। उसे अस्पताल भिजवाया गया। बताया गया कि अभी दिल्ली और आसपास के राज्यों में टमाटर के दाम 120 रुपए प्रति किलोग्राम तक को छू रहे है। आंध्र प्रदेश और महाराष्ट्र समेत कई राज्यों में भारी बारिश के कारण फसल पिछले साल की तरह इस बार भी खराब हो गई। सप्लाई कम होने से टमाटर के दाम काफी बढ़ गए। जब तक मार्केट में टमाटर की नई फसल नहीं आ जाती है तब तक दाम ऐसे ही बने रहेंगे।

तुलसीदासजी की सराय में खाटूश्याम कीर्तन 20 को, करवा चौथ पर महिलाएं सामूहिक चंद्रअर्क देकर वृत खोलेंगी



24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट. उदयपुर। श्री श्याम सेवा ट्रस्ट के तत्वावधान मे कल रविवार 20 अक्टूबर को सायंकाल 4:30 बजे से तुलसीदास जी की सराय, डबोक एयरपोर्ट रोड मे बन रहे श्याम मन्दिर प्रांगण मे श्री श्याम कीर्तन होगा।जिसमे भारत के सुप्रसिद्ध भजन गायक इन्दोर के सौरभ शर्मा तथा केमिता राठौड अपनी मधुर आवाज से भक्तो को भावविभोर करेंगें। दरबार श्रृंगार जयपुर के साँवरिया डेकोरेटर, संगतकार नीमच से उमेश म्यूजिकल ग्रुप को आमंत्रित किया है।पाण्डाल व्यवस्था सजावट टैन्ट तथा लाईट हरिभाई की देखरेख मे होगी। करवा चौथ होने से सभी भक्त महिलाऐ सामुहिक चान्द को अर्क देकर वृत खोल भोजन प्रसाद लेगी। सम्पूर्ण व्यवस्था ट्रस्ट की ओर से की जाएगी। लगभग 15 स्थानीय भजन गायक श्री अनिल आनन्द शर्मा, जमनाशंकर, इतिशा गोयल, योगेश सैनी, सुनन्दा चौबीसा, रजनीश मानसी शर्मा,अंजली चिराग आचार्य, पंकज भण्डारी,सरमेश राठौड, लता सोनी, प्रतीक माहेश्वरी एंव भावना शर्मा आदि भी अपनी हाजिरी लगायेंगे। भक्तो को असुविधा ना हो अतः कीर्तन जल्दी प्रारंभ कर 9बजे आरती, चान्द अर्क पश्चात सभी के लिए महाप्रसाद की व्यवस्था रहेगी।

उपचुनाव-2024 के लिए अधिसूचना जारी, 7 विधानसभा क्षेत्रों के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू, 13 नवम्बर को मतदान सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक होगा, चुनावी खर्च सीमा 40 लाख

संख्या एफ. 3 (1) (20)प्रथम/निर्वा/2024/पी.407 :- भारत निर्वाचन आयोग की निम्न अधिसूचना सर्वसाधारण के सूचनार्थ प्रकाशित की जाती है।

नवीन महाजन,
प्रमुख शासन सचिव।

भारत निर्वाचन आयोग
निर्वाचन सदन, अशोक रोड, नई दिल्ली-110001

दिनांक: 18 अक्तूबर, 2024
26 आश्विन, 1946 (शक)

अधिसूचना

सं. 100/राज.-वि.स./8/2024:- यतः, राजस्थान राज्य की विधानसभा में **161-चौरासी (अ.ज.जा.)** विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र से निर्वाचित श्री राजकुमार रोत का स्थान उनके त्याग-पत्र देने के कारण **14 जून, 2024** को रिक्त हो गया है; **और**

2. **यतः**, इस प्रकार हुई रिक्ति को भरने के प्रयोजनार्थ उप-निर्वाचन आयोजित करवाया जाना है:

3. **अतः, अब**, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 (1951 का 43) की धारा 150, धारा 30 और धारा 56 के अनुसरण में, भारत निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा:-

(अ) राजस्थान राज्य के उक्त 161-चौरासी (अ.ज.जा.) विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र से यह **अपेक्षा करता है** कि उक्त अधिनियम के उपबन्धों और तद्धीन बनाए गए नियमों और आदेशों के अनुसार 25 नवम्बर, 2024 (सोमवार) से पहले राज्य की विधान सभा में उक्त रिक्ति को भरने के प्रयोजनार्थ राजस्थान राज्य की किसी भी अनुसूचित जनजाति के एक व्यक्ति को निर्वाचित कर दिया जाए; **और**

(ब) उक्त निर्वाचन के संबंध में, निम्नलिखित **निर्धारित करता है**:-

(क) नाम-निर्देशन करने हेतु अंतिम तारीख, 25 अक्तूबर, 2024 (शुक्रवार);

(ख) नाम-निर्देशनों की संवीक्षा करने हेतु अंतिम तारीख, 28 अक्तूबर, 2024 (सोमवार);

(ग) अभ्यर्थिताएं वापस लेने हेतु अंतिम तारीख, 30 अक्तूबर, 2024 (बुधवार);

(घ) जिस तारीख को, यदि आवश्यक हुआ, तो मतदान कराया जाएगा, 13 नवम्बर, 2024 (बुधवार);

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट. उदयपुर। भारत निर्वाचन आयोग ने राजस्थान विधानसभा की 7 रिक्त सीटों पर उपचुनाव के लिए अधिसूचना जारी कर दी है। इसके साथ ही, झुंझुनू, दौसा, रामगढ़, देवली-उनियारा, खींवसर, सलूम्बर और चौरासी विधानसभा क्षेत्रों में रिटर्निंग अधिकारियों की ओर से सार्वजनिक सूचना जारी की गई है और उम्मीदवारों के लिए नामांकन की प्रक्रिया शुक्रवार 18 अक्टूबर से ही शुरू हो गई है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री नवीन महाजन ने बताया कि चुनाव के लिए नामांकन की अंतिम तिथि 25 अक्टूबर है। नामांकन-पत्र सम्बंधित रिटर्निंग अधिकारी के कार्यालय में प्रतिदिन सुबह 11 बजे से 3 बजे के बीच प्रस्तुत किए जा सकेंगे। रविवार 20 अक्टूबर को सार्वजनिक अवकाश होने के कारण नामांकन दाखिल नहीं किए जा सकेंगे। नामांकन-पत्रों की संवीक्षा सोमवार 28 अक्टूबर को होगी और नाम वापस लेने की आखिरी तारीख 30 अक्टूबर तय की गई है। जारी अधिसूचना के अनुसार, सभी 7 विधानसभा क्षेत्रों के लिए आवश्यक होने पर मतदान 13 नवम्बर को होगा. मतदान की प्रक्रिया सुबह 7 बजे शुरू होकर शाम 6 बजे संपन्न होगी। 23 नवम्बर को मतों की गिनती की जाएगी। घोषित कार्यक्रम के अनुसार, उपचुनाव की समस्त प्रक्रिया 25 नवम्बर तक पूरी होगी। **नामांकन के लिए आवश्यक**-श्री महाजन ने बताया कि नामांकन के समय अभ्यर्थी सहित अधिकतम 5 व्यक्तियों को रिटर्निंग अधिकारी के कार्यालय में प्रवेश की अनुमति होगी। कार्यालय परिसर के 100 मीटर की परिधि में एक अभ्यर्थी केवल 3 वाहनों के साथ प्रवेश कर सकेंगे। अभ्यर्थी निर्धारित प्रारूप में पूर्ण भरा हुआ नामांकन-पत्र और शपथ-पत्र प्रस्तुत करेंगे, जिसमें उसके तथा उसके परिवार के सदस्यों की चल-अचल संपत्ति और स्वयं की आपराधिक पृष्ठभूमि का सम्पूर्ण ब्यौरा देना होगा। नामांकन के समय सामान्य अभ्यर्थी के लिए अमानत राशि 10,000 रुपये तथा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों के लिए 5,000 रुपये निर्धारित है। प्रत्येक अभ्यर्थी के लिए चुनाव खर्च की सीमा 40 लाख रुपये है।

उदयपुर-खजुराहो ट्रेन में एक अतिरिक्त डिब्बा जोड़ाःत्योहार को देखते हुए 2 नवंबर तक जुड़ेगा डिब्बा, एक अतिरिक्त सेकंड क्लास स्लीपर



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर.त्योहारों पर ट्रेनों में यात्रियों की भीड़ को देखते हुए उदयपुर-खजुराहो ट्रेन में एक अतिरिक्त सेकंड क्लास स्लीपर डिब्बा जोड़ा गया है। उदयपुर से 20 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक यह सुविधा उपलब्ध होगी। इसी तरह खजुराहो से आने वाली ट्रेन में 22 अक्टूबर से 2 नवंबर तक यह डिब्बा जुड़ेगा। बता दें, इस ट्रेन में अभी दीपावली और छठ पर्व तक की सभी सीटें फुल हैं। एक अतिरिक्त डिब्बा जुड़ने से हर ट्रिप में करीब 100 लोगों को कन्फर्म टिकट मिलेगी। रेलवे की ओर से अन्य ट्रेनों में भी कोच बढ़ाए गए हैं। इनमें एसी से लेकर स्लीपर कोच शामिल हैं। 28 को आसनसोल 10 मिनट पहले पहुंचेगी कोलकाता ट्रेन 28 अक्टूबर को उदयपुर सिटी स्टेशन से कोलकाता जाने वाली ट्रेन का पश्चिम बंगाल के आसनसोल स्टेशन पर ठहरने के समय में बदलाव रहेगा। यह ट्रेन तय समय सुबह 11:18 बजे के स्थान पर 10 मिनट पहले 11:08 बजे पहुंच जाएगी। वहां 10 मिनट ठहराव के बाद सुबह 11:18 बजे रवाना होगी। अन्य स्टेशनों से संचालन में बदलाव नहीं रहेगा। यह ट्रेन रात 12:45 उदयपुर से रवाना होकर मंगलवार दोपहर 2:50 बजे कोलकाता पहुंचेगी।

शिक्षा मंत्री बोले-मेरे बयान का विरोध करने वाले टीचर बेवकूफःमैंने कहा था शिक्षिकाएं पूरे कपड़े पहनें, इससे बच्चों पर गलत प्रभाव नहीं पड़ेगा



24 न्यूज अपडेट

बारां. शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने टीचर्स के कम कपड़े पहनकर स्कूल आने के अपने बयान पर फिर सफाई दी है। हालांकि, दिलावर ने उनके बयान का विरोध करने वालों को बेवकूफ और मूर्ख बताया है। शुक्रवार को बारां में दिलावर ने कहा- वे शिक्षक बेवकूफ हैं, जो मैंने कहा, उसके विरोध में बोल रहे हैं। मैंने ये कहा था कि जो विद्यार्थी है, वो आधा समय अपने अभिभावक, माता-पिता के पास रहता है और आधा समय स्कूल में रहता है। तो मां-बाप और गुरुजनों को ध्यान रखना चाहिए है कि हम कैसा व्यवहार कर रहे हैं। क्या खा रहे हैं, क्या पहन रहे हैं, कैसी हमारी दृष्टि है। इससे बच्चे सीखते हैं। संस्कार दोनों जगह से पाते हैं। जो हमारा परिवेश, वैसे कपड़े पहनें दिलावर ने कहा- ऐसे में कई बार मैंने कहा है कि जो शिक्षिकाएं हैं, पूरे कपड़े पहनें, जो हमारा परिवेश है और जिस परिवेश में हम रहते हैं, उस प्रकार के कपड़े नहीं पहनकर आने से बच्चों पर अच्छा प्रभाव नहीं पड़ता है। अगर इसको गलत मानते हैं, तो उनसे बड़ा मूर्ख कोई नहीं है। दो दिन पहले कहा था- कुछ टीचर पूरा शरीर दिखाकर स्कूल आते हैं शिक्षा मंत्री बुधवार को नीमकाथाना के नृसिंहपुरी गांव में उच्च प्राथमिक संस्कृत स्कूल भवन के लोकार्पण कार्यक्रम में गए थे। समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा था- कई शिक्षक-शिक्षिकाएं पूरा शरीर दिखाकर स्कूल जाते हैं। इससे बच्चे और बच्चियों पर अच्छा संस्कार नहीं पड़ता। इन लोगों को सोचना चाहिए कि मैं शिक्षिका, शिक्षक हूं। हमें कैसा पहनावा पहनना चाहिए, क्या खाना चाहिए। उन्होंने शिक्षकों से कहा था- हमारा आचरण ऐसा रहे कि बिना कुछ बोले भी बच्चे हमसे संस्कार ले सकें।

सफाई में बोले थे- टीचर बच्चों के सामने आदर्श प्रस्तुत करें

अपने इस बयान पर दिलावर ने गुरुवार को जोधपुर में भी सफाई दी थी। दिलावर ने कहा था- मैंने यही कहा था कि टीचर स्कूल में कम कपड़े पहन कर आते हैं, अर्धनग्न होकर आते हैं। इसके पीछे का भाव ये था कि सभी टीचर अच्छे कपड़े पहनकर आएंगे। टीचर्स को अपने आप को बच्चों के सामने आदर्श के रूप में प्रस्तुत करना पड़ेगा, जिससे बच्चे संस्कार ले सकें।

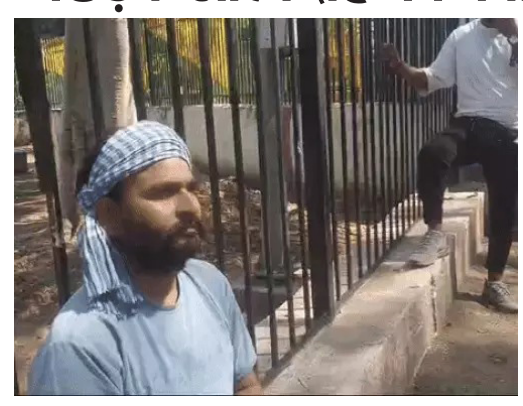
आज दोपहर उदयपुर में 80 हजार रूपए रहा सोने का भाव, कई ग्राहक उल्टे पांव लौटे



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। श्री सर्राफा एसोसिएशन के संरक्षक इंदरसिंह मेहता ने बताया कि उदयपुर में आज दोपहर में शुद्ध सोना 80000 अस्सी हज़ारी होकर पुनः थोड़ा नीचे लौटा जो ऑल टाइम हाई रहा। मेहता के अनुसार स्थानीय भाव इस प्रकार रहे। चांदी टंच (प्रति किलोग्राम 92930 चांदी चौरसा 92500 सोना स्टैंडर्ड (999) 79500 सोना जेवराती (23 कैरेट) 76320 सोना (22 कैरेट) 73140 रुपए रहा। इधर, आज दोपहर सोना खरीदने गए ग्राहकों के भाव देखते ही होंश उड़ गए। कई ग्राह वापस लौट गए। कई दुकानदारों ने इस दौरान पुरानी रेट पर ही निगोसिएशन करते हुए सोना बेचा। हालांकि शाम तक भाव में 500 रूपए की कमी आ गई। वैसे ट्रेड पंडित तो ह रहे हैं कि इस बार सोना इसी दीपावली सीजन में 85 हजार तक जाएगा।

कलेक्टर ऑफिस में हाई वोल्टेज ड्रामा, टेंपो चालक ने की पेट्रोल छिड़क आत्मदाह की कोशिश



24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट. भीलवाड़ा। भीलवाड़ा कलेक्टर कार्यालय में शुक्रवार को हाई वॉल्टेज ड्रामा हो गया जिसमें पत्नी के मायके चले जाने से नाराज पति ने पेट्रोल डाल कर आत्मदाह की कोशिश की। पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। भीलवाड़ा जिला कलेक्टर कार्यालय में शुक्रवार दोपहर युवक अपने साथ पेट्रोल की बोतल लेकर आया और खुद पर छिड़क कर जलाने लगा। उसने कोशिश की मगर इससे पहले ही वहां पर मौजूद लोगों ने पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। बताया गया कि आरोपी का नाम राजू बंजारा (39) पुत्र मैणा बंजारा है व वह पेश से टेंम्पो ड्राइवर है। उसने पुलिस से कहा कि प्रताप नगर थाना क्षेत्र के पटेल नगर रहता है व पत्नी प्रियंका 5 साल का बेटे और 12 दिन की बेटी को लेकर पीहर निमाडा (चित्तौड़गढ़) चली गईं। उसका साला अलग-अलग कर के 4 लाख रुपए ले चुका है। पत्नी को भेजने के नाम पर हर बार रुपए ऐंठता है और पत्नी-बच्चों को नहीं भेजता है। आखिरकार परेशान होकर उसने आज सुसाइड का प्रयास किया। प्रताप नगर थाना पुलिस के बारे में उसने कहा कि दो-तीन बार शिकायत करने थाने पहुंचा लेकिन बाहर से ही भगा दिया। मजबूरन कदम उठाना पड़ा। अभी उसको शांति भंग के आरोप में गिरफ्तार किया है। पूछताछ की जा रही है। पुलिस की लापरवाही की जांच कब होगी, यह पता नहीं।

खुशियों का 'प्रतापी ज्वार' - एमपीयूएटी ने देश को दी ज्वार की नई किस्म : कृषि वैज्ञानिकों द्वारा विकसित ज्वार की नई किस्म प्रताप ज्वार 2510 भारत सरकार ने की अधिसूचित



24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, उदयपुर। महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय उदयपुर के वैज्ञानिकों ने किसानों के लिए ज्वार की नई किस्त प्रताप ज्वार 2510 विकसित की है। इस किस्म का विकास अखिल भारतीय ज्वार अनुसंधान परियोजना, उदयपुर में कार्यरत वैज्ञानिकों द्वारा किया गया है। डॉ अरविन्द वर्मा, निदेशक अनुसंधान, महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर ने बताया कि राजस्थान के दक्षिणी-पूर्वी क्षेत्र में ज्वार एक प्रमुख मिलेट फसल है जो कि वर्षा आधारित क्षेत्रों में अनाज और पशु चारे के लिए उगाई जाती है। पशु चारे के लिए ज्वार का प्रदेश में प्रमुख योगदान है। उन्होंने बताया कि राजस्थान में ज्वार की खेती लगभग 6.4 लाख हैक्टेयर में की जा रही है एवं मुख्य रूप से अजमेर, नागौर, पाली, टोक, उदयपुर, चित्तौडगढ़, राजसमन्द एवं भीलवाड़ा जिलों में होती है। अनुसंधान निदेशक ने बताया कि अखिल भारतीय ज्वार अनुसंधान परियोजना सन् 1970 में प्रारंभ हुई थी तथा इस परियोजना के अन्तर्गत अभी तक कुल 11 किस्में क्रमशः एस पी वी 96, एस पी वी 245, राजचरी-1, राजचरी-2, सी एस वी 10, एस पी एच 837, सीएसवी 17, प्रताप ज्वार 1430, सी एस वी 23, प्रताप चरी 1080 एवं प्रताप राज ज्वार-1 अनुमोदित हो चुकी है। ज्वार की नई किस्म प्रताप ज्वार 2510 को पत्र संख्या 40271 के अन्तर्गत दिनांक 9 अक्टूबर 2024 को जारी भारत सरकार के राजपत्र में राजस्थान राज्य के लिए अधिसूचित किया गया। परियोजना प्रभारी डॉ हेमलता शर्मा ने बताया कि यह मध्यम अवधि (105-110 दिन) में पकने वाली किस्म है जिससे 40-45 क्विंटल प्रति हैक्टेयर दाने की एवं 130-135 क्विंटल प्रति हैक्टेयर सूखे चारे की उपज प्राप्त होती है, तथा यह किस्म एन्थ्रेकनोज, जोनेट, मोल्ड रोगों एवं तना मक्खी तथा तना छेदक कीटों के लिए सामान्य प्रतिरोधी है। डॉ. अजीत कुमार कर्नाटक, कुलपति, महाराणा प्रताप कृषि प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर ने बताया कि राजस्थान में ज्वार मुख्य रूप से चारे के लिए उगाई जाती है किन्तु विगत वर्ष 2023 अन्तर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष के रूप में मनाया गया जिससे ज्वार के दानों में पोषक गुणों के बारे में आमजन में जागृति आयी है। ज्वार एक ग्लुटेन मुक्त अनाज होता है अतः इसका उपयोग दलिया, ब्रेड और केक आदि बनाने में किया जाता है। ज्वार के दाने का उपयोग खाद्य तेल, स्टार्च, डेक्सट्रोज आदि के लिए भी किया जाता है, उन्होंने बताया कि वैज्ञानिक तरीके से ज्वार की खेती करने से राजस्थान के किसान इससे अधिक उत्पादन एवं आर्थिक लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

251 मतदान केंद्रों के लिए ईवीएम वीवीपैट मशीनों का प्रथम रेंडमाइजेशन, चौरासी विधानसभा क्षेत्र उपचुनाव



24 न्यूज अपडेट

डूंगरपुर। जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अंकित कुमार सिंह व राजनीतिक पार्टियों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में शुक्रवार को एनआईसी, डूंगरपुर के सभागार में चौरासी विधानसभा क्षेत्र उप चुनाव के लिए ईवीएम मशीनों का प्रथम रेंडमाइजेशन किया गया। रेंडमाइजेशन में 251 मतदान केंद्रों के लिए बीयू, सीयू और वीवीपैट का चयन किया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी श्री सिंह ने बताया कि चौरासी विधानसभा क्षेत्र में उपचुनाव के लिए 251 मतदान केन्द्र बनाए गए हैं। इनमें 07 सहायक मतदान केंद्र शामिल हैं। उपचुनाव के तहत मतदान 13 नवम्बर को होगा और 23 नवम्बर को मतगणना होगी। उन्होंने बताया कि पहले ईवीएम मशीनों की फर्स्ट लेवल चेकिंग (एफएलसी) की जाती है। एफएलसी में यह तय किया जाता है कि कौन-कौन की ईवीएम मशीन पूरी तरह से ठीक हैं। चुनावों के लिए प्रयुक्त मशीनों के चयन में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के किए रेंडमाइजेशन प्रक्रिया को कम्प्यूटरीकृत किया गया है । जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि चुनाव के लिए बीयू और सीयू की संख्या, मतदान केन्द्रों की संख्या का 130 प्रतिशत और वीवीपैट की संख्या, मतदान केन्द्रों की संख्या का 140 प्रतिशत (रिजर्व सहित) तय किया गया है। उपस्थित राजनीतिक दलां के प्रतिनिधियों को विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र चौरासी को आवंटित ईवीएम वीवीपैट की हस्ताक्षरित सूची उपलब्ध कराई गई। पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी भी करवाई गई। उन्होंने बताया कि फर्स्ट रेंडमाइजेशन में चयनित मशीनों को छंटनी कर संबंधित रिटर्निंग अधिकारी को सुपुर्द किया जाएगा एवं आवंटन प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद श्री भोगीलाल पण्ड्या राजकीय महाविद्यालय में स्थापित स्ट्रॉन्ग रूम में पूर्ण प्रोटोकॉल के साथ सुरक्षित रखा जाएगा। इस दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी दिनेश चंद्र धाकड़, रिटर्निंग अधिकारी कपिल कोठारी, एआरओ सुंदरलाल मीणा, डीआईओ एनआईसी विपिन खन्ना, एडिशनल डायरेक्टर डीओआईटी सुनील डामोर सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

आधार में जन्मतिथि बदलने के लिए नए नियम लागू, देख लें क्या है नए नियम



24 न्यूज अपडेट

चित्तौड़गढ़। सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग के उप निदेशक प्रवीण कुमार जैन ने बताया है कि नया आधार नामांकन कराते समय यदि अपकी जन्मतिथि और नामांकन के लिए अपयोग किए गए जन्म प्रमाण पत्र के पंजीकरण की तारीख में 1 वर्ष से अधिक का अंतर आता है। उस स्थिति में देरी से जन्म पंजीकरण के मामले में, जन्म और मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969 की धारा 13 के अनुसार, कोई भी जन्म या मृत्यु जो उसके घटित होने के एक वर्ष के भीतर पंजीकृत नहीं किया गया हैं, जन्म या मृत्यु की सत्यता की पुष्टि करने और निर्धारित भुगतान के बाद प्रथम श्रेणी के उपखण्ड अधिकारी/ तहसीलदार द्वारा दिए गए आदेश पर ही पंजीकृत किया जाएगा। उन्होंने बताया कि उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए, विभाग द्वारा यह सलाह दी जाती है कि अपने जन्मतिथि अद्यतन अनुरोध को वैध जन्म प्रमाण पत्र, प्रथम श्रेणी के उपखण्ड अधिकारी/ तहसीलदार द्वारा दिए गए आदेश (विलंबित जन्म प्रमाण पत्र के संदर्भ में), स्व-घोषणा के साथ अपने निकटतम आधार केंद्र के माध्यम से फिर से नामांकित करें। तदुपरान्त, आपको अद्यतन अनुरोध का विवरण help@uidai.gov.in/1947 पर भेजना होगा। साथ ही उप निदेशक प्रवीण कुमार जैन ने पुनः जिले के नागरिकों से अपील की 5 वर्ष से छोटे बच्चे जिनका आधार नामांकन आज दिनांक तक नहीं हुआ है तो वह आज ही अपना आधार नामांकन कराये। क्योंकि आधार नामांकन हेतु कोई आयु निर्धारित नहीं की गई है, यदि बच्चे के दस्तावेज पुरे है तो मात्र 1 या 2 दिन के बच्चे का भी आधार नामांकन कराया जा सकता है।

सब इंस्पेक्टर भर्ती 2021 रद्द नहीं करने की मांगःचयनित अभ्यर्थियों के परिजनों को भाजपा प्रदेश प्रभारी को दिया ज्ञापन



24 न्यूज अपडेट

डूंगरपुर. सब इंस्पेक्टर भर्ती 2021 को निरस्त नहीं करने की मांग को लेकर मेवाड़ और वागड़ के चयनित अभ्यर्थियों के अभिभावकों ने भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री व प्रदेश प्रभारी राधा मोहनदास अग्रवाल से गुहार लगाई। लोगों ने उनसे मुलाकात करते हुए कहा कि भर्ती निरस्त हुई तो अभ्यर्थियों के साथ कुठाराघात होगा। लोगों ने बताया की वर्ष 2021 में 859 पदों की सब इंस्पेक्टर भर्ती में एसओजी की जांच में मात्र 5 प्रतिशत ही दोषी पाए गए हैं। 95 प्रतिशत अभ्यर्थी अपनी कड़ी ओर खरी मेहनत से ही चयनित हुए है। 5 प्रतिशत दोषी अभ्यर्थियों के कारण संपूर्ण भर्ती को निरस्त किया जाता है तो निर्दोष अभ्यर्थियों के साथ कुठाराघात एवं अन्याय होगा। उन्होंने बताया कि सब इंस्पेक्टर भर्ती में 568 अभ्यर्थियों में से 365 नियमित एवं 203 परिवीक्षाधीन, पदग्रहण से पूर्व केंद्र एवं राज्य सरकार की नौकरियों में सेवारत थे, जो उनकी योग्यता को प्रदर्शित करता है और बहुत से अभ्यर्थी अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे थे। परन्तु इस भर्ती में चयन होने के उपरांत तैयारी बंद कर दी है। उन्होंने बताया कि उक्त भर्ती में वागड़ और मेवाड़ से चयनित एक भी सब इंस्पेक्टर एसओजी की जांच में दोषी नहीं पाया गया। जो प्रमाणित करता है कि इस क्षेत्र में पेपर लीक की घटना नहीं हुई है। ऐसे में उन्होंने भाजपा प्रभारी से न्याय की गुहार लगाई है।

यादों की बारात : सीटीऐई कॉलेज में डायमंड जुबली एलुमिनाई में अमेरिका सहित कई देशों से आएंगे 500 एलुमनाई

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट. उदयपुर। सीटीऐई कॉलेज में डायमंड जुबली एलुमिनी फंक्शन 19 तारीख को आयोजित किया जाएगा, जिसमें अमेरिका और विभिन्न क्षेत्रों से सीटीऐई के एलुमिनी भाग लेंगे। इस साल सीटीऐई अपना 60वां स्थापना दिवस भी मना रहा है, जो कि कॉलेज के लिए ऐतिहासिक अवसर है। सीटीऐई के करीब 10000 छात्र यहां से पढ़ाई पूरी करने के बाद देश विदेश में अपनी सेवा दे रहे है। कार्यक्रम में 60 साल पहले के डायमंड जुबली के छात्र, 50 साल पूरे कर चुके गोल्डन जुबली के छात्र, 25 साल पहले के सिल्वर जुबली के छात्र और 15 साल पहले के क्रिस्टल जुबली के छात्र शामिल होंगे। सभी अपने पुराने संस्मरणों को ताजा करने के लिए अपने परिवारों सहित इस आयोजन में शिरकत करेंगे। करीब 500 एलुमनाई इस विशेष कार्यक्रम में भाग लेने की संभावना है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सीटीऐई के ही एक प्रतिष्ठित एलुमिनी इंजीनियर दलजीत सिंह भंडारी होंगे, जो राजस्थान चैंबर ऑफ कॉमर्स के वरिष्ठ वाइस प्रेसिडेंट है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर आर के एरिन होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रोफेसर अजीत कुमार कर्नाटक, कुलपति महाराणा प्रताप कृषि एवम प्रौद्योगिकी विश्विद्यालय करेंगे।कॉलेज के अधिष्ठाता, डॉ. अनुपम भटनागर और एलुमिनी एसोसिएशन के पदाधिकारी इस कार्यक्रम को लेकर अत्यधिक उत्साहित हैं। सीटीएई कॉलेज अपने 60वें वर्ष के उपलक्ष्य में आगामी छह महीनों तक चलने वाले विविध आयोजनों की रूपरेखा भी बना चुका है। इस भव्य कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विभागों के मेधावी छात्रों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पुरस्कृत भी किया जाएगा। एलुमिनी फंक्शन का यह आयोजन सभी पुरानी और नई पीढ़ियों को जोड़ने का अद्भुत अवसर प्रदान करेगा, जहां छात्र अपने अनुभव साझा करेंगे और सीटीएई की गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाएंगे।

कुंभलगढ़ में मुआवजा शिविर के निरीक्षण में पहुंचे कलेक्टरःगंदगी देखकर सचिव को लगाई फटकार, जल्द निस्तारण के निर्देश



24 न्यूज अपडेट

कुम्भलगढ़. कुंभलगढ़ में चारभुजा से भटेवर राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 162 पर मुआवजे को लेकर ग्राम पंचायत मजेरा में चल रहे शिविर का जिला कलेक्टर बालमुकुंद असावा ने निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने रास्ते पर फैली गंदगी और इधर-उधर पसरे प्लास्टिक के कचरे को लेकर ग्राम सचिव राकेश मीणा को कड़ी फटकार लगाते हुए एक दिन में गांव में फैले कचरे एवं गंदगी का निस्तारण करने के आदेश दिए। इस दौरान एसडीएम मोहन सिंह रत्नु और अतिरिक्त जिला कलेक्टर नरेश बुनकर भी मौजूद रहे। आपको बता दें कि पिछले दिनों नेशनल हाईवे के मुआवजे को लेकर विधायक सुरेंद्र सिंह राठौड़ ने जिला कलेक्टर को 15 दिन में मुआवजे का निस्तारण करने के निर्देश दिए थे। उसके बाद सभी ग्राम पंचायत में मुआवजे को लेकर शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। उसी क्रम में शुक्रवार को ग्राम पंचायत मजेरा में शिविर का आयोजन किया गया। उस दौरान जिला कलेक्टर ने शिविर का निरीक्षण किया और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिला कलेक्टर ने उपस्थित कर्मचारियों को निर्देशित किया कि शाम तक 125 फॉर्म कंप्लीट होने चाहिए, साथ ही शनिवार तक निस्तारण हो जाना चाहिए।

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।